University in News on 12 February 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

समर्पण दिवस के रूप में मनी पंडित दीनदयाल की पुण्यतिथि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि रविवार को समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग में स्थापित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की ओर से इस मौके पर सरोजनीनगर के मातृ छाया आश्रय गृह में मानसिक रूप से मंदित महिलाओं के बीच यह आयोजन किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय सरीखे नेता ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। आज समर्पण दिवस पर हम उन्हें सिर्फ याद न करें बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वस्व समर्पित करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हों।

इस मौके पर अंतः वासियों को पोषण पोटली और आश्रय गृह को राशन व नमकीन बांटा। इस मौके पर डॉ. रोहित मिश्र, डॉ. ओमेंद्र सिंह, डॉ. ओमेन्द्र यादव, डॉ. रजनीश यादव, गरिमा और प्रदीप मौजूद रहे।

पूर्व छात्रों के अनुभव करते हैं मार्गदर्शन

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि पूर्व छात्रों के अनुभव और विशेषज्ञता का आधार पाकर भावी पीढ़ी का मार्गदर्शन होता है। वे रविवार को विवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित पूर्व छात्र पुनर्मिलन समारोह में मौजूद थे। विभाग की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा ने लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में पुरानी यादों को ताजा करते हुए अपने बैचमेट्स को शॉल देकर सम्मानित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह मौजूद रहे। कार्यकारी समिति के सदस्यों को घोषणा की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 06

एलयू में पूर्व छात्रों ने यादें संग बांटे अनुभव

लखनऊ। एलयू में वनस्पति विभाग पूर्व छात्र संघ की बैठक रविवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। बैठक के दौरान कार्यकारी समिति के सदस्यों की घोषणा की गई। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने परिणाम-उन्मुख कार्य की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कुछ पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया और अपने पुराने अनुभव साझा किये। पूर्व छात्र संघ की बैठक में 1988 बैच की एमएससी वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा ने अपने समय की यादों को ताजा करते हुए अपने बैचमेट्स को शॉल देकर सम्मानित किया।

पांडित दीनदयाल का जीवन राष्ट्र को समर्पित

लखनऊ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरीखे नेता ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। आज समर्पण दिवस पर हम उन्हें सिर्फ़ याद न करें बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वस्व समर्पित करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हों। ये बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने मातृ छाया आश्रय गृह में मानसिक रूप से मंदित महिला अंतःवासियों के मध्य कहीं। शोध पीठ द्वारा आश्रय गृह में पंडित जी की पुण्य तिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गयी। समाज कार्य की छात्रा गरिमा सिंह एवं छात्र प्रदीप ने पंडित जी के के जीवन पर प्रकाश डाला। प्रो. भारतीय ने पंडित जी के जीवन से जुड़े कुछ रोचक किस्से सुनाए।

i-NEXT PAGE 3

पूर्व छात्रों ने एक दूसरे से साझा किए अनुभव

एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग में हुआ पुरातन छात्र समारोह

LUCKNOW (11 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में रविवार को पुरातन छात्र समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में वर्ष 1988 से लेकर विभिन्न वर्षों में पढ़ाई करके निकले पूर्व छात्र-छात्राएं एक-दूसरे से मिले तो यादें ताजा हो गईं. इस अवसर पर वीसी प्रो. आलोक कुमार राय एवं पूर्व छात्र अतिथियों ने एसोसिएशन की पुस्तक का अनावरण भी किया.

नए इतिहास का निर्माण करें

समारोह का आयोजन लवि वनस्पति विज्ञान विभाग पूर्व छात्र संघ की ओर से किया गया. वीसी ने विभाग में नए इतिहास के निर्माण का आग्रह किया. साथ ही पूर्व छात्रों को वित्तीय सहायता से परे योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया. इस अवसर पर वीडियो के माध्यम से विभाग की गतिविधियां दिखाई गईं.

गुरुजन के प्रति जताया आभार

1988 बैच की एमएससी वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा सहित कुछ पूर्व छात्रों ने अपने पुराने अनुभव साझा किए. अपने गुरुजनों के लिए आभार जताते हुए उन्हें याद किया. इस अवसर पूर्व छात्रों को बीरबल साहनी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह, प्रो. अलका कुमारी, कुलदीप सक्सेना, के अंबानी, डा. जेके जौहरी, सीमा बहाव, अंजू बाजपेयी आदि मौजूद रहे.

एमएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा आज से शुरू होगी

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से एमएड प्रथम सेमेस्टर परीक्षा की शुरुआत सोमवार से होगी. इसके लिए एएनडी टीटी कालेज सीतापुर, दयानंद बछरावां डिग्री कालेज और लखनऊ विश्वविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है. इन केंद्रों पर 19 केंद्रों के छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे. परीक्षा की निगरानी के लिए तीन नोडल केंद्र भी बने हैं. सोमवार से एम.एड प्रथम सेमेस्टर न्यू कोर्स की परीक्षाएं सुबह दो से शाम पांच बजे तक होंगी.

JAGRAN CITY PAGE III

पुरातन छात्र समारोह में मिले छात्र-छात्राएं तो ताजा हो उठीं यादें

जासं, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में रविवार को पुरातन छात्र समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में वर्ष 1988 से लेकर विभिन्न वर्षों में पढ़ाई करके निकले पूर्व छात्र-छात्राएं एक-दूसरे से मिले तो यादें ताजा हो गईं। कुछ छात्र साहनी भवन, लेक्चर थियेटर, सभागार सहित अपना विभाग भी देखने पहुंचे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं पूर्व छात्र अतिथियों ने एसोसिएशन की पुस्तक का अनावरण भी किया।

समारोह का आयोजन लवि वनस्पति विज्ञान विभाग पूर्व छात्र संघ की ओर से किया गया। कुलपति ने विभाग में नए इतिहास के निर्माण का आग्रह किया। साथ ही पूर्व छात्रों को वित्तीय सहायता से परे योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर वीडियो के माध्यम से विभाग की गतिविधियां दिखाई गईं। विभाग में छोटी बच्चियों और पीजी के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रदर्शन किया।

लवि के वाटनी विभाग मे रविवार को एल्युमिनाई मीट का आयोजन किया गया। इसमे कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय भी उपस्थित रहे ● सौजन्य से लवि

गुरुजन के प्रति जताया आभारः 1988 बैच की एम.एससी. वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा सहित कुछ पूर्व छात्रों ने अपने पुराने अनुभव साझा किए। अपने गुरुजनों के लिए आभार जताते हुए उन्हें याद किया। इस अवसर पूर्व छात्रों को बीरबल साहनी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह, प्रो. अलका कुमारी, कुलदीप सक्सेना, के अंबानी, डा. जेके जौहरी, सीमा बहाव, अंजू बाजपेयी सहित 100 पूर्व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बायो केमिस्ट्री विभाग में एलुमिनाई मीट, दो टापर सम्मानित

वरिष्ठ रंगकर्मी डा.अनिल रस्तोगी ने टापर मुनमुन बनर्जी को कोशिशा मेमोरियल अवार्ड दिया व कार्यक्रम मे मौजूद पूर्व छात्र-छात्राएं ● विशाल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को बायोकेमिस्ट्री विभाग में भी एलुमिनाई मीट और लवि वार्षिक जनरल बाडी की बैठक हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के सबसे पहले बैच 1962 के पूर्व छात्र एवं वरिष्ठ रंगकर्मी डा. अनिल रस्तोगी ने की। इस अवसर पर एम.एससी. बायो केमिस्ट्री 2023 बैच की टापर छात्रा मुनमुन बनर्जी को कोशिशा मेमोरियल अवार्ड के रूप में पांच हजार रुपये और इसी कोर्स की दूसरी टापर छात्रा लीबा मेहदी को डा. डीके कौशल मेमोरियल अवार्ड में पांच हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 1977 बैच की छात्रा मधु संतोष, सेंटर फार बायो मेडिकल रिसर्च के निदेशक डा. अलोक धवन, प्रमुख विज्ञानी डा. पूनम कक्कड़ सहित बड़ी संख्या में पूर्व विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर द एल्युमिनाई एसोसिएशन आफ द डिपार्टमेंट आफ बायोकेमिस्ट्री की कोषाध्यक्ष डा. मीनल गर्ग को चुना गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष प्रो. सुधीर मेहरोत्रा, महासचिव प्रो. समीर शर्मा, प्रो. आरके मिश्रा मौजूद रहे।

PIONEER PAGE 3

पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन राष्ट्र को समर्पित था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पं. दीनदयाल उपाध्याय सरीखे नेता ही एक मज़बूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। आज समर्पण दिवस पर हम उन्हें सिर्फ़ याद न करें बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वस्व समर्पित करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हों। उन्होंने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी जिसमें ऊँच-नीच का कोई स्थान न था। उनके एकात्म मानव दर्शन का मूल ही व्यक्ति के माध्यम से समाज का समग्र विकास है। वे ऐसा विकास चाहते थे जिसमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सर्वप्रथम है। उक्त विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग स्थित एवं उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय द्वारा ग्राम लोनहा सरोजनी नगर स्थित मातृ छाया आश्रय गृह में मानसिक रूप से मंदित महिला अंतःवासियों के मध्य व्यक्त किए गए। आज शोध पीठ द्वारा आश्रय गृह में दीन दयाल की पुण्य तिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गयी।

कार्यक्रम की शुरुआत दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। समाज कार्य की छात्रा गरिमा सिंह एवं छात्र प्रदीप द्वारा उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया जिससे उपस्थित लोग उनके जीवन संघर्ष प्रेरणा ले सकें। इसके बाद प्रो भारतीय ने पंडित जी के जीवन से जुड़े कुछ रोचक किस्से बताते हुए कहा कि पंडित जी का सम्पूर्ण जीवन ही राष्ट्र को समर्पित रहा इसीलिए हम प्रत्येक वर्ष उनकी पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप मनाते हैं। उम्मीद संस्था के निदेशक बलबीर सिंह ने कहा कि ये महिलाएँ मानसिक मंदित नहीं बल्कि साक्षात देवियां हैं। हम इनकी सेवा करने से भगवान को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि यहाँ आश्रय गृह में संवासिनियों के पोषण के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दो गिर गाय दान की थीं। इसके बाद सभी अंतःवासियों को पोषण पोटली और आश्रय गृह को राशन व नमकीन का वितरण किया गया। शोध पीठ के रिसर्च एसोसिएट डॉ. रोहित मिश्र ने गाँव वालों को पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से चल रही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के विषय में बताया, साथ ही इस हेतु पर्चे भी बाँटे। जिससे गाँव वाले उपाध्याय के जीवनवृत्त को समझकर उनका अनुसरण करें। समाज कार्य विभाग से डॉ ओमेन्द्र यादव, डॉ रजनीश यादव, कर्मचारी रमेश, हनुमान एवं संदीप और उम्मीद संस्था के प्रताप सहित तमाम उपस्थित लोगों ने राष्ट्र के प्रति समर्पण होने की शपथ भी ली।

पूर्व छात्र अपने अनुभव से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं: आलोक

लखनऊ। लविवि के वनस्पतिशास्त्र विभाग में रविवार को पूर्व छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. मुन्ना सिंह ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का पुष्पगुच्छ और माला से स्वागत किया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने परिणाम-उन्मुख कार्य की आवश्यकता पर जोर दिया, नए महान वैज्ञानिकों के उद्भव और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले वनस्पति विज्ञान विभाग में नए इतिहास के निर्माण का आग्रह किया। वनस्पति विज्ञान विभाग में छोटी बच्चियों और पीजी छात्रों के एक मनमोहक समूह द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रदर्शन किया गया। कुछ पूर्व छात्रों ने भी हिस्सा लिया और अपने पुराने अनुभव साझा किये। 1988 बैच की एमएससी वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा ने लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में अपने समय की यादों को ताजा करते हुए अपने बैचमेट्स को शॉल देकर सम्मानित किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

पूर्व छात्र अपने अनुभवों से नई पीढ़ी को देंगे चेतना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ व्याख्यानों के माध्यम से जानकारियां हुईं साझा

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि पूर्व छात्र अपने अनुभवों से नई पीढ़ी को चेतना देते हैं। जुड़ने वाले पूर्व निश्चित रूप से संकायों के छात्रों को नई दिशा भी देंगे।

लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र संघ का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि पूर्व छात्र परिणाम और उन्मुख कार्यों के प्रति नए छात्रों को जागरूक करेंगे। कुलपति ने पूर्व छात्रों को वित्तीय सहायता से परे योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि व्याख्यानों के माध्यम से अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करना और नए उभरते विद्वानों को समृद्ध करना ही रचनात्मक परिवर्तन लाएगा। कार्यक्रम में कुछ पूर्व छात्रों ने भी हिस्सा लिया और अपने पुराने अनुभव साझा किये।

इस अवसर पर 1988 बैच की एमएससी वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा ने कई जानकारियां भी दीं। इस अवसर पर सभी संकायों के विभागाध्यक्ष सहित काफी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

दीनदयाल की राष्ट्र कल्पना में ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। पं.दीनदयाल उपाध्याय सरीखे नेता ही एक मज़बूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। समर्पण दिवस पर हम उन्हें सिर्फ़ याद न करें बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वस्व समर्पित करने को दृढ़

समर्पण दिवस के रूप में मनाई दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि

प्रतिज्ञ हों। उन्होंने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी जिसमें ऊंच-नीच का कोई स्थान न था। उनके एकात्म मानव दर्शन का मूल ही व्यक्ति के माध्यम से समाज का समग्र विकास है। वे ऐसा विकास चाहते थे जिसमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सर्वप्रथम है। उक्त विचार लविवि के समाज कार्य विभाग स्थित एवं उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित पं.दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो.अनूप कुमार भारतीय द्वारा ग्राम लोनहा सरोजनीनगर स्थित मातृ छाया आश्रय गृह में मानसिक रूप से मंदित महिला अंतःवासियों के मध्य व्यक्त किए गए। आज शोध पीठ द्वारा आश्रय गृह में पंडित जी की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गयी। कार्यक्रम की शुरुआत उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। समाज कार्य की छात्रा गरिमा सिंह एवं छात्र प्रदीप द्वारा दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला गया जिससे उपस्थित लोग उनके जीवन संघर्ष प्रेरणा ले सकें। इसके बाद प्रो.भारतीय ने पंडित जी के जीवन से जुड़े कुछ रोचक किस्से बताते हुए कहा कि आज का समर्पण दिवस कार्यक्रम कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की प्रेरणा से एवं कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के कुशल मार्गदर्शन में हो रहा है। उन्होंने बताया कि पंडित जी का सम्पूर्ण जीवन ही राष्ट्र को समर्पित रहा इसीलिए हम प्रत्येक वर्ष उनकी पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप मनाते हैं। उम्मीद संस्था के निदेशक बलबीर सिंह ने कहा कि ये महिलाएं मानसिक मंदित नहीं बल्कि साक्षात देवियां हैं।

हम इनकी सेवा करने से भगवान को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि यहां आश्रय गृह में संवासिनियों के पोषण के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दो गिर गाय दान की थीं। इसके बाद सभी अंतःवासियों को पोषण पोटली और आश्रय गृह को राशन व नमकीन का वितरण किया गया।

पूर्व छात्र अपने अनुभवों से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं : कुलपति

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। वनस्पति विज्ञान विभाग, लविवि ने पूर्व छात्र संघ बैठक का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने की। विभागाध्यक्ष प्रो.मुन्ना सिंह ने पुष्पगुच्छ और माला से कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व छात्र अतिथियों और कुलपति द्वारा एलयूबीडीएए पुस्तक और स्मृति चिन्ह का अनावरण किया गया। एलयूबीडीएए बैठक के दौरान कार्यकारी समिति के सदस्यों की घोषणा की गई। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने दर्शकों को संबोधित करते हुए परिणाम-उन्मुख कार्य की आवश्यकता पर जोर दिया। नए महान वैज्ञानिकों के उद्भव और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले वनस्पति विज्ञान विभाग में नए इतिहास के निर्माण का आग्रह किया। उन्होंने पूर्व छात्रों को वित्तीय सहायता से परे योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया, जैसे कि अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करना और नए उभरते विद्वानों को समृद्ध करना। इस कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग में छोटी बच्चियों और पीजी छात्रों के एक मनमोहक समूह द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में कुछ पूर्व छात्रों ने भी हिस्सा लिया और अपने पुराने अनुभव साझा किये। एलयूबीडीएए कार्यक्रम मार्मिक भाव से जारी रहा। 1988 बैच की एमएससी वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा ने लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में अपने समय की यादों को ताजा करते हुए अपने बैचमेट्स को शॉल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष के धन्यवाद प्रस्ताव और एक यादगार समूहीकृत तस्वीर के साथ हुआ।

LOKSATYA PAGE 03

'समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सर्वप्रथम है'

लखनऊ, लोकसत्य

पं. दीनदयाल उपाध्याय सरीखे नेता ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। आज समर्पण दिवस पर हम उन्हें सिर्फ़ याद न करें, बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वस्व समर्पित करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हों।

उन्होंने एक ऐसे ही शसक्त राष्ट्र की कल्पना की थी। उनके एकात्म मानव दर्शन का मूल ही व्यक्ति के माध्यम से समाज का समग्र विकास है। वे ऐसा विकास चाहते थे, जिसमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सर्वप्रथम है। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार ने व्यक्त किए। वह लोनहा सरोजिनी नगर स्थित मातृ छाया आश्रय गृह में मानसिक मंदित महिला अंतःवासियों के बीच व्यक्त किए गए। शोध पीठ की ओर से आश्रय गृह में पंडित जी की पुण्य तिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। शुरुआत उपाध्याय जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर हुई। समाज कार्य की छात्रा गरिमा सिंह व छात्र प्रदीप ने उपाध्याय जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

शोध पीठ के रीसर्च असोसीयट डॉ. रोहित मिश्र ने गाँव वालों को पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से चल रही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के विषय में बताया, साथ ही इस हेतु पर्चे भी बांटे। समाज कार्य विभाग से डॉ. ओमेन्द्र यादव, डॉ. रजनीश यादव, कर्मचारी रमेश, हनुमान एवं संदीप और उम्मीद संस्था के प्रताप सहित अन्य मौजूद रहे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 06

पूर्व छात्र अपने अनुभव से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं : प्रो राय

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने पूर्व छात्र संघ बैठक (एलयूबीडीएए) का आयोजन रविवार को किया, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने की। विभागाध्यक्ष प्रो मुन्ना सिंह ने पुष्पगुच्छ और माला से कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व छात्र अतिथियों और कुलपति ने एलयूबीडीएए पुस्तक और स्मृति चिन्ह का अनावरण किया। एलयूबीडीएए बैठक के दौरान कार्यकारी समिति के सदस्यों की घोषणा की गयी। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने संबोधित करते हुए परिणाम-उन्मुख कार्य की आवश्यकता पर जोर दिया, नए महान वैज्ञानिकों के उद्भव और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले वनस्पति विज्ञान विभाग में नए इतिहास के निर्माण का आग्रह किया। उन्होंने पूर्व छात्रों को वित्तीय सहायता से परे योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया, जैसे कि अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से अपने अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करना और नए उभरते विद्वानों को समृद्ध करना। इस कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग में छोटी बच्चियों और पीजी छात्रों के एक मनमोहक समूह द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में कुछ पूर्व छात्रों ने भी हिस्सा लिया और अपने पुराने अनुभव साझा किये। एलयूबीडीएए कार्यक्रम मार्मिक भाव से जारी रहा। 1988 बैच की एमएससी वनस्पति विज्ञान की पूर्व छात्रा रेनू शर्मा ने लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में अपने समय की यादों को ताजा करते हुए अपने बैचमेट्स को शॉल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष के धन्यवाद प्रस्ताव और एक यादगार समूहीकृत तस्वीर के साथ हुआ।

● लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग में पूर्व छात्र संघ बैठक सम्पन्न

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

पूर्व छात्र करें नई पीढ़ी का मार्गदर्शन : प्रो. कुलपति

लखनऊ। वनस्पति विज्ञान विभाग ने पूर्व छात्र संघ बैठक का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने की। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर मुन्ना सिंह ने पुष्पगुच्छ और माला से कुलपति का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूर्व छात्र अतिथियों और कुलपति द्वारा पुस्तक और स्मृति चिन्ह का अनावरण किया गया। बैठक के दौरान कार्यकारी समिति के सदस्यों की घोषणा की गई। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने पूर्व छात्र से कहा कि वह लोग नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करें, प्रोफेसर राय ने परिणाम-उन्मुख कार्य की आवश्यकता पर जोर दिया, नए महान वैज्ञानिकों के उद्भव और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले वनस्पति विज्ञान विभाग में नए इतिहास के निर्माण का आग्रह किया।

राष्ट्र को समर्पित रहा पं.दीन दयाल का जीवन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पं. दीनदयाल उपाध्याय सरीखे नेता ही एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। आज समर्पण दिवस पर हम उन्हें सिर्फ याद न करें बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वस्व समर्पित करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हों। उन्होंने एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की थी जिसमें ऊंच-नीच का कोई स्थान न था। उनके एकात्म मानव दर्शन का मूल ही व्यक्ति के माध्यम से समाज का समग्र विकास है। वे ऐसा विकास चाहते थे जिसमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण सर्वप्रथम है।

यह विचार लविवि के समाज कार्य विभाग स्थित एवं उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्थापित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय द्वारा ग्राम लोनहा सरोजिनी नगर स्थित मातृ छाया आश्रय गृह में मानसिक रूप से मंदित महिला अंतःवासियों के बीच व्यक्त किये। आज शोध पीठ द्वारा आश्रय गृह में दीनदयाल की पुण्य तिथि समर्पण दिवस के रूप में मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरू आत उपाध्याय के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। समाज कार्य की छात्रा गरिमा सिंह एवं छात्र प्रदीप द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला गया, जिससे उपस्थित लोग उनके जीवन संघर्ष प्रेरणा ले सकें। उन्होंने बताया कि उनका सम्पूर्ण जीवन ही राष्ट्र को समर्पित रहा इसीलिए हम प्रत्येक वर्ष उनकी पुण्य तिथि को समर्पण दिवस के रूप मनाते हैं। उम्मीद संस्था के निदेशक बलबीर सिंह ने कहा कि ये महिलायें मानसिक मंदित नहीं बल्कि साक्षात देवियां हैं। हम इनकी सेवा करने से भगवान को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने ये भी बताया कि यहां आश्रय गृह में संवासिनियों के पोषण के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दो गाय दान की थीं।

इसके बाद सभी अंतः वासियों को पोषण पोटली और आश्रय गृह को राशन व नमकीन का वितरण किया गया। शोध पीठ के रिसर्च एसोसिएट डॉ. रोहित मिश्र ने गांव वालों को पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से चल रही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के विषय में बताया। साथ ही इसके लिए पर्चे भी बांटे। जिससे गांव वाले उपाध्याय के जीवनवृत्त को समझकर उनका अनुसरण करें। समाज कार्य विभाग से डॉ. ओमेन्द्र यादव, डॉ. रजनीश यादव, कर्मचारी रमेश, हनुमान एवं संदीप और उम्मीद संस्था के प्रताप सहित तमाम उपस्थित लोगों ने राष्ट्र के प्रति समर्पण होने की शपथ भी ली।